

NEXT IAS

दैनिक संपादकीय विश्लेषण

विषय

नेपाल का अल्प विकसित देश (LDC) से
आगे बढ़ना और भारत-नेपाल संबंध

www.nextias.com

नेपाल का अल्प विकसित देश (LDC) से आगे बढ़ना और भारत-नेपाल संबंध

सन्दर्भ

- नेपाल 24 नवंबर को संयुक्त राष्ट्र की अल्प विकसित देश (LDC) श्रेणी से बाहर निकलने वाला है, लेकिन उसने सुगम और सतत संक्रमण के लिए बेहतर तैयारी करने हेतु तीन वर्ष की स्थगन अवधि की मांग की है।
- यह अवसर नेपाल के विकास मॉडल पर पुनर्विचार करने और भारत-नेपाल आर्थिक संबंधों को नए सिरे से व्यवस्थित करने का भी अवसर है।

अल्प विकसित देशों (LDCs) का परिचय

- अल्प विकसित देशों (LDCs) की श्रेणी संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1971 में उन देशों की पहचान करने के लिए बनाई गई थी, जो सतत विकास के लिए गंभीर संरचनात्मक बाधाओं का सामना कर रहे हैं।
- संयुक्त राष्ट्र LDCs को ऐसे देशों के रूप में परिभाषित करता है, जिनकी आय का स्तर निम्न है और जो सतत विकास के लिए गंभीर संरचनात्मक बाधाओं का सामना करते हैं।
- LDC का दर्जा अधिमान्य बाजार पहुंच, विशेष व्यापारिक व्यवहार, तकनीकी सहायता और रियायती वित्त जैसे लाभ प्रदान करता है।

LDC से आगे बढ़ने के मानदंड

संयुक्त राष्ट्र की विकास नीति समिति (Committee for Development Policy) तीन व्यापक मानदंडों के आधार पर LDC की स्थिति की समीक्षा करती है:

- प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (GNI);
- मानव संपत्ति सूचकांक (HAI), जिसमें स्वास्थ्य और शिक्षा से संबंधित परिणाम शामिल होते हैं; और
- आर्थिक एवं पर्यावरणीय भेद्यता सूचकांक (EVI), जो संरचनात्मक भेद्यता और झटकों के प्रति जोखिम को दर्शाता है।
- किसी देश को LDC के रूप में वर्गीकृत होने के लिए इन तीनों मानदंडों को पूरा करना और वर्गीकरण के लिए सहमत होना आवश्यक है।
- वर्तमान में 44 देश LDC के रूप में वर्गीकृत हैं।

LDC से आगे बढ़ना (Graduation)

- LDC से आगे बढ़ने का उद्देश्य अधिमान्य शुल्कों और रियायती सहायता को धीरे-धीरे समाप्त करना है।
- श्रम-प्रधान निर्यात क्षेत्र, जैसे परिधान, सिंथेटिक वस्त्र और कालीन, विशेष रूप से प्रभावित हो सकते हैं।
- किसी देश को आगे बढ़ने के लिए पात्र होने हेतु विकास नीति समिति की लगातार दो तीन-वर्षीय समीक्षाओं में तीन में से दो मानदंडों की निर्धारित सीमा प्राप्त करनी होती है।
- हाल ही में अपनाए गए दोहा कार्यक्रम-ए-कार्यवाही (Doha Programme of Action) ने 2031 तक अतिरिक्त 15 LDCs द्वारा आगे बढ़ने के मानदंडों को पूरा करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है।
- LDC के रूप में वर्गीकृत देशों की सूची की संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रत्येक तीन वर्ष में निर्धारित प्रक्रियाओं के आधार पर समीक्षा की जाती है।

- वर्तमान में 14 LDCs आगे बढ़ने की प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में हैं; इनमें से चार देश 2027 तक इस श्रेणी से बाहर हो जाएंगे।
- बांग्लादेश 24 नवंबर 2026 को LDC श्रेणी से आगे बढ़ने वाला है;
- लाओ PDR 24 नवंबर 2026 को LDC श्रेणी से आगे बढ़ने वाला है;
- नेपाल 24 नवंबर 2026 को LDC श्रेणी से आगे बढ़ने वाला है;
- सोलोमन द्वीपसमूह 13 दिसंबर 2027 को LDC श्रेणी से आगे बढ़ने वाला है;

नेपाल का LDC से आगे बढ़ना और चिंताएँ

- नेपाल ने 2024 में सुगम संक्रमण रणनीति (Smooth Transition Strategy—STS) अपनाई है, जिसका उद्देश्य 2030 तक सतत रूप से LDC श्रेणी से आगे बढ़ना सुनिश्चित करना है।
- नेपाल के अपेक्षाकृत मजबूत समष्टि आर्थिक सुरक्षा कवच, पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार और बड़े प्रेषण (Remittance) प्रवाह ने आर्थिक स्थिरता को समर्थन दिया है।
- NPR-INR विनिमय दर व्यवस्था और भारत के साथ गहरे आर्थिक संबंधों ने वैश्विक झटकों के दौरान एक स्थिर आधार प्रदान किया है।
- केंद्रीय चुनौती यह है कि नेपाल की प्रेषण-समर्थित आर्थिक स्थिरता को उत्पादक निवेश, औद्योगीकरण और निर्यात प्रतिस्पर्धा में परिवर्तित किया जाए।
- व्यापक संरचनात्मक चिंता नेपाल का निम्न-निवेश जाल (low-investment trap) है। प्रेषण से उपभोग, आयात और विदेशी मुद्रा भंडार को बनाए रखने में सहायता मिलती है, लेकिन इनका पर्याप्त प्रवाह उत्पादक क्षेत्रों में नहीं हो पाता।
- LDC से आगे बढ़ना, यदि घरेलू और विदेशी निवेश को मजबूत नहीं किया गया, तो प्रेषण-आधारित विकास मॉडल की सीमाओं को उजागर कर सकता है।

नेपाल का आर्थिक एकीकरण

- भारत और नेपाल के बीच असाधारण संबंध हैं, जो खुली सीमा, गहरे जन-से-जन संबंधों और व्यापक वाणिज्यिक परस्पर निर्भरता से चिह्नित हैं।
- उनके संबंधों को अब तेजी से साझा नदी घाटियों, विद्युत ग्रिड, परिवहन गलियारों और डिजिटल प्रवाह के माध्यम से समझा जाना चाहिए।
- दीर्घकालिक महत्वाकांक्षा आर्थिक एकीकरण को गहरा करना होनी चाहिए—अधिक मुक्त व्यापार से आगे बढ़कर वस्तुओं, पूंजी और सेवाओं की अधिक निर्बाध आवाजाही की दिशा में, साथ ही नेपाल की संप्रभुता और विकास संबंधी विकल्पों का सम्मान किया जाना चाहिए।
- भारत को असमान निर्भरता से जुड़ी चिंताओं को संवेदनशीलता, पूर्वानुमेयता और पारस्परिक लाभ के साथ संबोधित करने की आवश्यकता है।

भारत का अवसर: दो-हाथ, दस-अंगुली रणनीति

- LDC से आगे बढ़ने के बाद नेपाल के संक्रमण के लिए एक व्यावहारिक रूपरेखा दो पूरक हाथों पर आधारित हो सकती है:
- **आर्थिक हाथ:** द्विपक्षीय वाणिज्य के लिए स्थिर और पूर्वानुमेय नियम; सुरक्षित एवं कुशल आपूर्ति श्रृंखलाएँ तथा

आधुनिक सीमा शुल्क प्रणालियाँ; निजी इक्विटी और वेंचर कैपिटल तक आसान पहुंच; संतुलित सार्वजनिक और निजी संयुक्त उद्यम; नेपाल के पूंजी बाजारों तथा उत्पादक निवेश पारिस्थितिकी तंत्र का विकास।

- **प्रौद्योगिकी हाथ:** विस्तारित ऑप्टिकल-फाइबर कनेक्टिविटी; परस्पर-संचालनीय डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और भुगतान प्रणालियाँ; सीमा-पार विद्युत पारेषण और जलविद्युत सहयोग; अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और डेटा अनुप्रयोग; संयुक्त आपदा-जोखिम न्यूनीकरण और जलवायु लचीलापन।
- **लगातार बने रहने वाले जोखिमों का समाधान:**
 - **खुली सीमा का अत्यधिक सुरक्षा-केंद्रितकरण न करना:** वैध व्यापार और आवागमन में अनावश्यक रूप से बाधा नहीं डालनी चाहिए। प्रौद्योगिकी-सक्षम निगरानी और खुफिया-आधारित प्रवर्तन आर्थिक खुलेपन को कमजोर किए बिना सुरक्षा में सुधार कर सकते हैं।
 - **असममित निर्भरता की धारणा को बदलना:** पर्यटन, शिक्षा, संस्कृति और डिजिटल सेवाओं में अधिक कनेक्टिविटी के साथ विश्वास और सम्मान भी होना चाहिए, न कि यह धारणा कि निर्भरता एक रणनीतिक भेद्यता बन सकती है।
 - **‘प्रक्रियात्मक जटिलताओं से होने वाली मृत्यु’ (Death by Process) पर काबू पाना:** नौकरशाही प्रक्रियाओं के कारण होने वाली देरी ने लंबे समय से द्विपक्षीय संभावनाओं को कमजोर किया है। समयबद्ध कार्यान्वयन, सशक्त संस्थागत तंत्र और राजनीतिक बदलावों के दौरान निरंतरता आवश्यक है।

निष्कर्ष

- नेपाल का LDC से आगे बढ़ना संरचनात्मक परिवर्तन के लिए चुनौती और अवसर दोनों हैं। यदि स्थगन दिया जाता है, तो इसका उपयोग सुधारों को टालने के लिए नहीं, बल्कि उन्हें तेजी से लागू करने के लिए किया जाना चाहिए।
- भारत और नेपाल (India and Nepal) गहन निवेश, प्रौद्योगिकी और कनेक्टिविटी के माध्यम से भौगोलिक निकटता को आर्थिक गतिशीलता में संयुक्त रूप से परिवर्तित कर सकते हैं।

स्रोत: IE

दैनिक मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न: नेपाल के अल्प विकसित देश (LDC) से आगे बढ़ने से जुड़ी चुनौतियों और अवसरों का परीक्षण कीजिए। भारत के साथ गहरा आर्थिक और तकनीकी सहयोग नेपाल के सतत संक्रमण में किस प्रकार सहायता कर सकता है?

■■■■■